वर्ष 1973-74 में मध्य प्रदेश को आवंटित किया खाद्यान्न

8593. श्री गंगाचरण दीक्षित : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 1973-74 में केन्द्रीय पूल से मध्य प्रदेश ने कितनी मात्रा में खाद्यान्न का अनुरोध किया और उसे कितना खाद्यान्न आवंटित किया गया और कितना वास्तव मे सप्लाई किया गया ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब पी० शिन्दे) : मध्य प्रदेश सरकार को उनकी 468 8 हजार मीटरी टन की आवश्यकता, जिसके बारे मे राज्य सरकार ने 1973-74 (अप्रैल से मार्च तक) के दौरान सूचित किया था, के प्रति 199.0 हजार मीटरी टन खाद्यान्न आवटित किया गया था। उस अवधि के दौरान राज्य को वास्तव मे 203.0 हजार मीटरी टन खाद्यान्न सप्लाई किया गया था।

मध्य प्रदेश में बिनौले और कई का उत्पादन

8594. श्री गंगा चरण दीक्षित : क्या कृषि और सिंचाई मन्त्री यह बताने की कृप करेंग कि :

(क) मध्य प्रदेश मे बिनौले (कपास को बीज) कुल कितना उ पादन हुआ और कपास बोने वालो को कितनी मात्रा मे उसका वितरण किया गया;

(ख) मध्य प्रदेश मे कपास की कौन-कौन सी कस्मो का उ पादन होता है, और

(ग) मध्य प्रदेश मे वर्ष 1974 मे विभिन्न प्रकार की कपासो का कुल कितना उ पादन हुआ ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में उप मन्त्री (श्री प्रभुदासपटेल) :(क) सूचना एकत्र की जा रही है और प्राप्त होने पर सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

(ख) मध्य प्रदेश में कपास की नीचे दी हुई किस्में बोई जाती हैं :—

रेशे की लम्बाई	बोई जाने वाली किस्में
लम्बा	विजय बदनावार-1
बढ़िया दमियानी	ए-51-9 इंदौर-2 बूढी-एल-147 मलझारी
दमियानी	एम० पी० कम्बोडिया मालवी बिरनार (197-3)
छोटे रेशे की	एम० पी० उमरास यू० पी० देशी

(ग) 1974-75 के दौरान 170 किलोग्राम वाली 3.70 लाख गांठो के उ पादन का अनुपात है। इस वर्ष कपास के उत्पादन के पक्के अनुमान अभी उपलब्ध नही है। मध्य प्रदेश मे 1974-75 के दौरान बोई गई कपास की निम्न किस्मे थे हैं।—(1) ए-51-9, (2) खंडवा-2, (3) बदनवार-1, (4) मालझारी, (5) बूड-एल, 147, (6) बी-1007 और (7) सकर-4।

Special emphasis on colleges in tribal district and educationally backward areas

8595. SHRI GIRIDHAR GOMANGO: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE pleased to state:

(a) whether Government of India issued instruction to the Government of Orissa to give special emphasis to the colleges which are in tribal dis-